भारत का भौगोलिक विभाजन

* भारत को भौगोलिक आधार पर 6 भागों में बांटा जाता है।

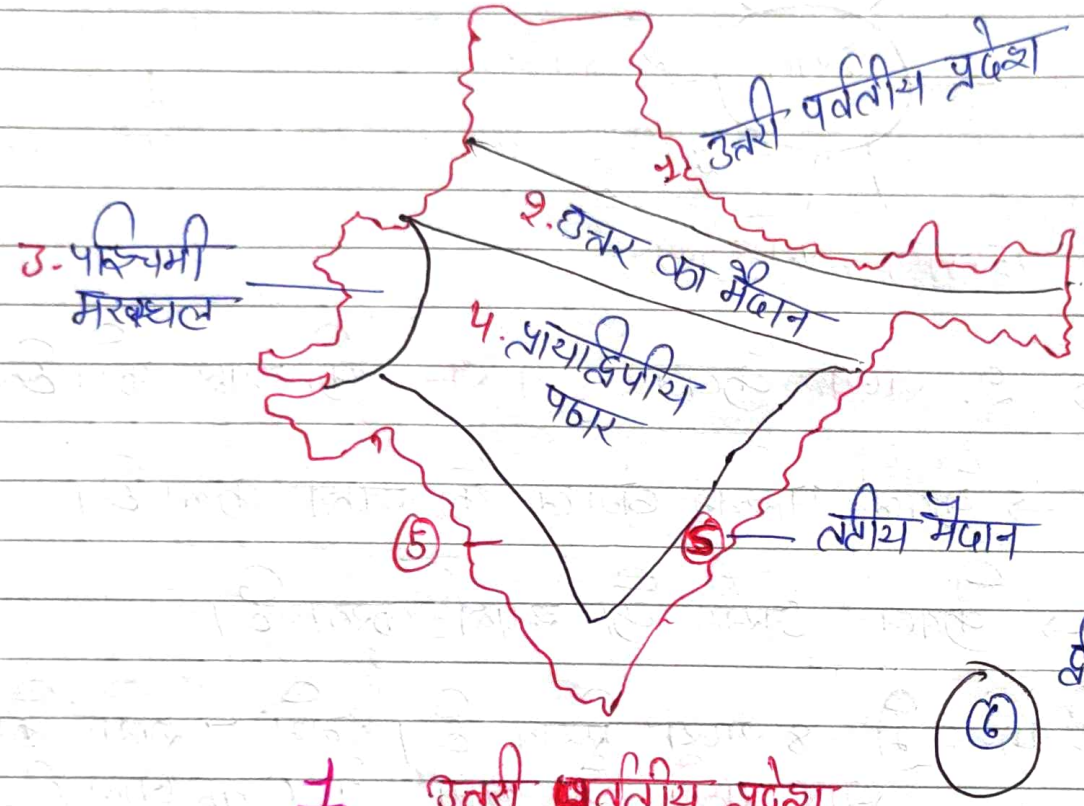

1 उत्तरी पर्वतीय प्रदेश

1. ट्रांस हिमालय
2. हिमालय
3. उत्तर-पूर्व हिमालय पहाड़ियां

(A) मध्य हिमालय (B) लघु हिमालय (C) शिवालिक

* 1 ट्रांस हिमालय → हिमालय के उत्तरी भाग को ट्रांस हिमालय के नाम से जाना जाता है।

* इसके अंतर्गत 3 पर्वत श्रेणियाँ आती है →

विश्व का सबसे बड़ा ग्लेशियर – फेदचिन्को (ताजिकिस्तान)

1. काराकोरम 2. लद्दाख 3. जास्कर

* काराकोरम पर्वत श्रेणी में ही भारत की सबसे ऊंची चोटी K2 / गॉडविन आस्टिन (ऊ. – 8611 m) स्थित है।

* ट्रांसहिमालय में ही विश्व की सर्वाधिक ऊंचाई पर स्थित झील पेंगाग झील स्थित है। और यहीं पर भारत का सबसे बड़ा ग्लेशियर सियाचिन ग्लेशियर (भारत व पाक के बीच विवादित) स्थित है।

* ट्रांस हिमालय से ही 3 नदियों का उद्गम होता है →
1. सिन्धु 2. सतलज 3. ब्रह्मपुत्र

2. हिमालय :→ (6000 m)

हिमालय का निर्माण यूरेशियन प्लेट + भारतीय प्लेट के आपस में टकराने से हुआ है। हिमालय को टेथिस सागर का अवशेष माना जाता है।

* इसका आकार → अर्द्धचन्द्राकार है।
* औसत ऊंचाई – 6000 मीटर

* हिमालय को ऊंचाई के आधार पर 3 भागों में बांटा जाता है →

Ist महान हिमालय / वृहद हिमालय :→

महान हिमालय को हिमालय का मुख्य भाग माना जाता है, इसलिए इसे मुख्य हिमालय के नाम से भी जाना जाता है।

* इसका अधिकांश भाग बर्फ से ढका हुआ है, इसलिए इसे हिमाद्रि के नाम से भी जाना जाता है।

* महान हिमालय का विस्तार 2 नदियों के बीच में पाया जाता है
→ 1. सिन्धु 2. ब्रह्मपुत्र।

* इसका विस्तार 2 चोटियों के मध्य भी पाया जाता है →
1. नंगा पर्वत
2. नामचा बरवा पर्वत

* महान हिमालय की लम्बाई – 2500 km.
ऊँचाई – 6100 मीटर
चौड़ाई – 150-400 किमीटर

* काराकोरम
लद्दाख
जास्कर] ट्रांस हिमालय
पीर पंजाल
धौलाधर] लघु हिमालय

* हिमालय / महान हिमालय की चोटियाँ →

1. माउंट एवरेस्ट – नेपाल (सागरमाथा) – 8848/8850 मीटर
2. K2/ गॉडविन आस्टिन – जम्मू-कश्मीर – 8611 मीटर
3. कंचनजंगा – सिक्किम – 8585/86 मीटर
4. ल्होत्से – नेपाल + चीन – 8516 मीटर
5. मकालू – नेपाल + चीन – 8481 मीटर
6. चोयु / चोओयु – नेपाल + चीन – 8201 मीटर

II[nd] लघु हिमालय → (3700 - 4500 m)

लघु हिमालय का अधिकांश भाग हिमाचल प्रदेश (H.P) में स्थित है। इसलिए इसे "हिमाचल हिमालय" के नाम से भी जाना जाता है।

* लघु हिमालय के अंतर्गत 2 पर्वत श्रेणियाँ आती है →
1. पीरपंजाल 2. धौलाधार।

* लघु हिमालय में पाये जाने वाले घास के मैदानो को जम्मू - कश्मीर में "मर्ग" कहा जाता है।
जैसे - सोनमर्ग व गुलमर्ग।
और हिमाचल प्रदेश व उत्तराखण्ड में इन्हे बुग्याल/पयार के नाम से जाना जाता है।

III[rd] शिवालिक → (900 - 1500 m)

* शिवालिक हिमालय की सबसे नवीनतम पर्वत श्रेणी है। क्योंकि इसका निर्माण सबसे बाद में हुआ था।

* शिवालिक को हिमालय की सबसे बाहरी पर्वत श्रेणी (Outer) भी कहा जाता है।

* शिवालिक में पायी जाने वाली घाटियों को उत्तराखण्ड के पूर्वी भाग में "द्वार" कहा जाता है -
जैसे - हरिद्वार।
और पश्चिम भाग में इन घाटियों को "दून" कहा जाता है।
जैसे → देहरादून।

* सिडनी बुराड ने नदियों के आधार पर हिमालय को 4 भागों में बांटा है →

(पैदल यात्रा)
कैलाश मानसरोवर की यात्रा - लिपुलेख दर्रे से (उत्तराखण्ड) (चीन) दूसरी मानसरोवर यात्रा बस द्वारा से नाथुला दर्रा (सिक्किम)

☆ हिमालय के दर्रे ☆

* जम्मू - कश्मीर के दर्रे :→

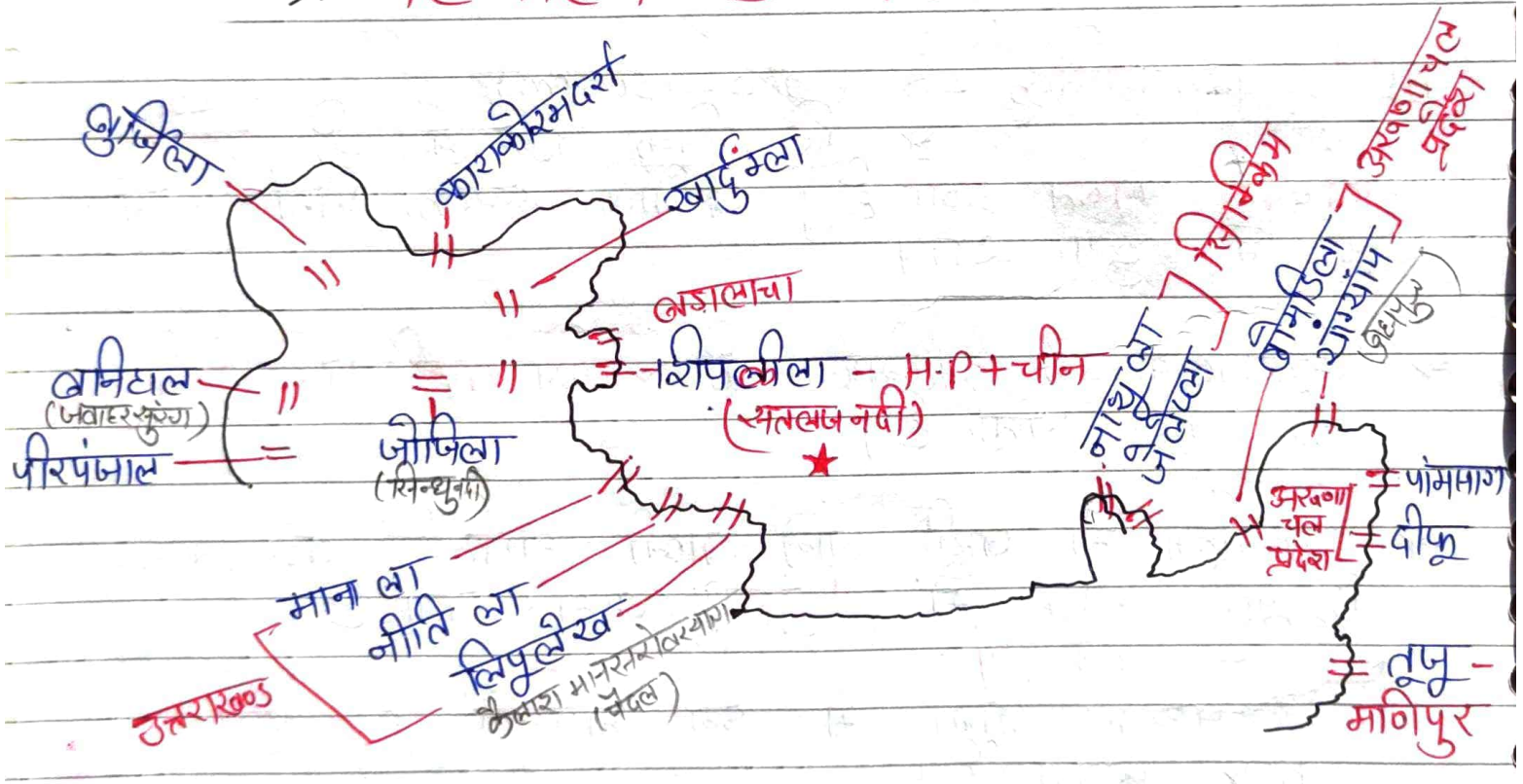

1. काराकोरम → J.K + चीन
2. बनिहाल → श्रीनगर + जम्मू – जवाहर सुरंग स्थित है।
3. जोजिला → श्रीनगर + लद्दाख / लेह – सिन्धु नदी प्रवाहित होती है।

4. खार्दुंगला → लेह + सियाचीन ग्लेशियर से

5. परिपंजाल दर्रा → कश्मीर घाटी + राजौरी जिले से

6. बुर्जिला → श्रीनगर + POIR (पाक अधिकृत कश्मीर)

* हिमाचल प्रदेश के दर्रे :→

1. बड़ालाचा → लेह + मनाली से

2. शिपकीला → हिमाचल प्रदेश + चीन से
- शिपकीला दर्रे से "सतलज नदी" भारत में प्रवेश करती है।

3. रोहतांग दर्रा → यह दर्रा मनाली + लाहौल स्पिति जिले से

* उत्तराखण्ड के दर्रे :→

1. माना ला, नीति ला, लिपुलेख → यह तीनों दर्रे उत्तराखण्ड + चीन से जोड़ता है। पैदल कैलाश मानसरोवर यात्रा

* सिक्किम के दर्रे :→

नाथुला व जेलेप्ला दर्रा → सिक्किम + चीन से

- नाथुला दर्रे से भी कैलाश मानसरोवर यात्रा (बस व ट्रेन) की जाती है।

* अरुणाचल प्रदेश के दर्रे :→

यांग्याप, बोमडिला → अरुणाचल प्रदेश + चीन

→ यांग्यांप दर्रे से "ब्रह्मपुत्र नदी" भारत में प्रवेश करती है।

पांगसांग दर्रा व पिकू → अरुणाचल प्रदेश + म्यांमार से

* मणिपुर के दर्रे :→

तुजू दर्रा → मणिपुर + म्यांमार से

3* उत्तर-पूर्व की पहाड़ियाँ :→